पत्र सूचना कार्यालय (विंग रक्षा)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली: कार्तिक 27, 1944
शुक्रवार: 28 नवंबर 2022

मजबूत और आत्मनिर्भर 'नए भारत' के लिए नवाचार, नई प्रौद्योगिकियों का विकास और कंपनियों की स्थापना करें :कर्नाटक में एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री ने युवाओं से कहा

"देश में स्टार्ट-अप्स की संख्या 2014 में 400-500 थी जो अब बढ़कर 70,000 हो गई है; 100 से अधिक अब यूनिकॉर्न बन गए हैं"

भारत किसी भी देश को उकसाता नहीं है, न ही एकता और अखंडताको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वाले को क्षमा करताहै: श्री राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने युवाओं से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और आत्मनिर्भर 'नए भारत' की परिकल्पना को साकार करने के लिए देश में नवाचार, नई प्रौद्योगिकियां विकसित करने और कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों और स्टार्ट-अप्स स्थापित करने का आह्वान किया। कर्नाटक के उडुपी में 18 नवंबर 2022 को मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन (एमएएचई) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया देश के प्रतिभाशाली युवाओं की शक्ति को स्वीकार कर रही है, जिसमें गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, एडोब और आईबीएम जैसी प्रमुख कंपनियां सम्मानजनक पदों पर भारतीयों को नियुक्त कर रही हैं।

रक्षा मंत्री ने उपस्थित लगभग 5,000 छात्रों से पूछाऔर उनसे आत्मनिरीक्षण करने और देश में एक परिवर्तनकारी बदलाव लाने का आग्रह किया, "अगर भारतीय दुनिया भर में प्रमुख कंपनियों को बढ़ने में मदद कर सकते हैं, तो हम यहां शीर्ष कंपनियां क्यों नहीं स्थापित कर सकते?"उन्होंने भारतीय स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र के बढ़ते कौशल का श्रेय युवाओं की क्षमताओं, प्रतिभाओं और कुशाग्र बुद्धि को दिया। उन्होंने कहा, "इससे पहले देश में कोई स्टार्ट-अप इकोसिस्टम नहीं था। 2014 से पहले, केवल 400-500 स्टार्ट-अप थे। आज यह संख्या 70,000 को पार कर गई है। इनमें से 100 से अधिक यूनिकॉर्न बन गए हैं।"

श्री राजनाथ सिंह ने छात्रों से कहा कि वे केवल पुस्तकों से ज्ञान प्राप्त करनेकी बजाएबुद्धिमत्ता प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा,"किताबों से ज्ञान प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है। बुद्धिमत्ता उस ज्ञान का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करती है, जो देश को अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए महत्वपूर्ण है। यह अक्षमता, गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन जैसी सीमाओं से मुक्त है। यह चिंतन और संवेदनाओं के दायरे का विस्तार करती है। यह एक

व्यक्ति को स्वार्थ से ऊपर उठने और सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक कल्याण के लिए काम करने में मदद करती है।"

रक्षा मंत्री ने छात्रों से देश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को जानने और इसके गौरवशाली अतीत को पुनः स्थापित करने के लिए प्रयास करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, "भारत विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन जैसे कई क्षेत्रों में अग्रणी था। विदेशी आक्रमणों के कारण इसने धीरे-धीरे अपनी महिमा खो दी। हमें अपने अतीत के गौरव को बहाल करना होगा, जिसके लिए आर्थिक प्रगति केंद्र-बिंदु है।"

वर्तमान युग कोसूचना आधारित और निरंतर विकसित होने वाला बताते हुए, श्री राजनाथ सिंह ने मानव पूंजी की गुणवत्ता और मात्रा को उन्नत करने का आह्वान किया, जो किसी देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि तकनीकी क्षमताएं और नागरिकों की नवोन्मेषी प्रवृत्ति देश को आगे ले जाने में सबसे निर्णायक कारक है और सरकार युवाओं को उचित शैक्षिक और रोजगार के अवसर प्रदान कर रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर, रक्षा मंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य पारंपरिक और आधुनिक ज्ञान के माध्यम से युवा पीढ़ी को वैश्विक नागरिकों के रूप में रूपांतरित करना है। उन्होंने कहा, "युवा हमारी सबसे मूल्यवान संपत्ति और विकास का इंजन है। हमारी युवा सेना 2025 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अमेरिकी बैंकिंगग्रुप मॉर्गन स्टेनली की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत अगले 5-6 वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। भारत की इस उभरती हुई शक्ति को 'पीढ़ी में एक बार होने वाला बदलाव/वन्स-इन-ए जनरेशन शिफ्ट' कहा गया है। यह तो बस शुरुआत है। मुझे विश्वास है कि भारत 2047 तक सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।"

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की बदली हुई वैश्विक छवि पर और अधिक प्रकाश डालते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नई दिल्ली को अब अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर ध्यान और गंभीरता के साथ सुना जाता है। उन्होंने कहा, 'भारत ने आतंकवाद जैसे मुद्दों पर दुनिया का नेतृत्व किया है और इस बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए समर्थन जुटाने में सफल रहा है। आतंकवाद को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने वाले देश अब भारत की क्षमताओं से भलीभांति परिचित हैं। भारत किसी देश को उकसाता नहीं है और न ही किसी को क्षमा करता है जो उसकी एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है।

रक्षा मंत्री ने शिक्षा और अनुसंधान में योगदान के लिए मणिपाल ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की सराहना की। उन्होंने स्नातक छात्रों को बधाई दी, उन्हें बेहतर भविष्य बनाने के लिए बाधाओं के बावजूद आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्राओं को विशेष बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे एक मजबूत और समृद्ध 'नए भारत' के स्तंभ बनेंगी।

इस अवसर पर मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन (एमएएचई) के प्रति-कुलाधिपति डॉ. हेबरी सुभाषकृष्ण बल्लाल, कुलपति, एमएएचई लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) एमडी वेंकटेश (सेवानिवृत्त) और महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक की कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) माधुरी कानितकर (सेवानिवृत्त) भी उपस्थित थे।

एबीबी/डीएस